देहरादून (उत्तराखण्ड)
बृहस्पतिवार 23.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट आज भैया दूज के पर्व पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद कर दिए गए।
- इस वर्ष यमुनोत्री और केदारनाथ में 24 लाख से अधिक यात्रियों ने धामों के दर्शन किए।
- आज भाई बहन के पावन प्रेम का त्योहार भैया दूज देशभर में मनाया जा रहा।
- और..टिहरी जिले के पावकी देवी मार्ग के पास वाहन दुर्घटना में तीन व्यक्तियों की मृत्यु, दो गंभीर घायल।

यमुनोत्री धाम

उत्तरकाशी स्थित यमुनोत्री धाम के कपाट आज दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद कर दिए गए हैं। कपाट बंद होने के बाद माता यमुना की डोली अपने शीतकालीन गद्दीस्थल खरसाली के लिए रवाना हो गई। अगले छह माह तक श्रद्धालु खरसाली में मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे। इस अवसर पर मंदिर को गेंदे के फूलों से भव्य रूप से सजाया गया।

इस वर्ष अब तक 6 लाख 44 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने यमुनोत्री धाम की यात्रा की है। श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

केदारनाथ कपाट बंद

भैयादूज के पर्व पर बाबा केदार के कपाट शीतकाल के लिए पारंपरिक रीति–रीवाज और धार्मिक परंपराओं के साथ आज सुबह श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस अवसर पर 7 गते कार्तिक मास शुक्ल पक्ष, अनुराधा नक्षत्र पर सेना के बैंड की भक्ति धुनों और श्रद्धालुओं की जयकारों माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिर की परिक्रमा करने के बाद बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली ने धाम से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान 10 हजार से अधिक शिव भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए। इस बीच डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंच गई है। 25 अक्तूबर को बाबा केदार की डोली शीतकालीन पूजा–अर्चना के लिए पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान हो जाएगी। जिससे अगले छह माह तक शिव भक्त अपने आराध्य की पूजा–अर्चना और दर्शन यहीं पर कर सकेंगे।

केदारनाथ कपाट बंद–2

श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस अवसर पर बताया कि केदारनाथ धाम में कपाट बंद होने तक सत्रह लाख अड़सठ हजार सात सौ से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये है। उन्होंने कहा कि शीतकाल में केदारनाथ धाम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

वहीं बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि बाबा केदार की पंचमुखी देव डोली रामपुर से रात्रि विश्राम के लिए विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंचेगी, जो 25 अक्टूबर को भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली गुप्तकाशी से शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में छह माह की शीतकालीन पूजा–अर्चना के लिए विराजमान हो जाएगी।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा केदार नाथ के कपाट बंद होने के अवसर पर श्री केदारनाथ धाम पहुंचकर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की है।

इस बीच श्री धामी ने धाम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने में तीर्थ पुरोहितों, हक हकूकधारियों, स्थानीय कारोबारियों और तीर्थ यात्रियों का विशेष आभार व्यक्त किया।

भाईदूज

आज भाई बहन के पावन प्रेम का त्योहार भाईया–दूज मनाया जा रहा है। यह पर्व हर साल कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसे अलग–अलग नामों से जाना जाता है, जैसे भाई फोटा, भाऊबीज, भाई टीका या यम द्वितीया। यह भाई–बहनों के बीच अटूट स्नेह, सुरक्षा और आशीर्वाद का प्रतीक है। इस दिन शुभ मुहूर्त में बहनें भाई को तिलक कर उसकी लंबी उम्र व सुख–समृद्धि की कामना करती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि भाई दूज का त्योहार भाई–बहन के बीच आपसी प्रेम और विश्वास का प्रतीक है

और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भाई–बहन के रिश्ते को और मज़बूत बनाने की कामना भी की।

दुर्घटना

टिहरी जिले के पावकी देवी मार्ग ग्राम सभा नाई के पास बारातियों का एक वाहन देर रात अनियंत्रित होकर खाई में गिरने से दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस चौकी गूलर के अनुसार, श्यामपुर घड़ी मेचक के पांच बाराती गुमानीवाला से नरेंद्र नगर के नाई गांव से जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने घटनास्थल पर रेस्क्यू अभियान चलाकर कर सभी को खाई से बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाय गया।

देवरा यात्रा

चमोली जिले में देवरा यात्रा भ्रमण पर निकली 'अनुसूया देवी की डोली को कल श्रद्धालुओं द्वारा 'गोपीनाथ मंदिर से पुष्प वर्षा व जयकारे के साथ बद्रीनाथ धाम के लिए विदा किया गया। चमोली जिले की मंडल घाटी में 'पुत्रदायिनी के रूप में प्रसिद्ध खल्ला गांव की 'सती माता अनुसूया देवी' 51 वर्षों के बाद दशहरे के पर्व पर अपने गर्भगृह से बाहर आकर, 9 माह के 'देवरा यात्रा भ्रमण पर है।